आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–21 सितम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देस क लोगिन के बिहने से सुरू हो रहल नवरातर परब अउर जीएसटी बचत उत्सव क बधाई अउर सुभकामना दिहलें हवें। उहां के कहलीं कि नवरातर क पहिला दिन से सुरू हो रहल ई बचत उत्सव सज्जों देसवासियन बदे लाभकारी होई। प्रधानमंत्री आजु संझा देस क लोगिन के संबोधित करत रहलें। उहां के कहलीं कि जीएसटी बचत उत्सव से लोगिन क बचत बढ़ी।

हमारे देश के गरीब मध्यम वर्गीय लोग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी सभी को ये बचत उत्सव का बहुत फायदा यानी त्योहारों के इस मौसम में सबका मुँह मीठा होगा।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क दुइ हजार सैंतालीस ले विकसित भारत बनावे क संकल्पना के हिसाबि से प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश के विजन पर कार कै रहल हौ। मुख्यमंत्री आजु गोरखपुर क महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेस' विषय पर आयोजित कार्यशाला के संबोधित करत रहलें। उहां के कहलीं कि प्रधानमंत्री मोदी दुइ हजार सैंतालीस ले देस के विकसित बनावे बदे जवन पंच प्रण दिहल गइल हौ हम सब के ओकरे साथे आगे बढ़े के होई।

****

जी.एस.टी. क नया दर आजु आधी राति से लागू हो रहलि हौ। आम लोगिन के राहत देवे बदे उपभोक्ता वस्तुअन क एगो बड़हन श्रृंखला पर दर में कमी कइल गइल हौ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी येह बरिस स्वतंत्रता दिवस पर लाल किला क प्राचीर से जीएसटी सुधारन के अगिला पीढ़ी क घोषणा कइले रहलें। उनकर ई सपना तीन सितंबर के साकार भइल जब जीएसटी परिषद नागरिक लोगिन क जिनगी के आसान बनावे बदे कई क्षेत्रन में कर दरन में कटौती कइलसि। एगो रिपोर्ट–

जीएसटी परिषद ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की चार–स्तरीय संरचना से सरल बनाकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो–स्तरीय संरचना में बदल दिया है। तंबाकू और विलासिता की वस्तुओं सहित चुनिंदा वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत का एक अतिरिक्त स्लैब की घोषणा की गई है। जीएसटी परिषद ने आम आदमी, श्रम–प्रधान उद्योगों, किसानों और कृषि, को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया है । नए ढांचे के तहत, उच्च तापमान वाले दूध, छेना, पनीर, पिज्जा ब्रेड और चपाती सहित खाद्य पदार्थों पर कोई कर नहीं लगेगा। ट्रैक्टर, कटाई मशीनरी और खाद बनाने वाली मशीनों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर भी जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया है। छोटी कारें, जिनपर पहले 28 प्रतिशत टैक्स लगता था, उन्हें नए जीएसटी सुधारों के तहत 18 प्रतिशत कर दिया गया है। शिवांग के साथ आदित्य, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

उपभोक्ता कार्य विभाग अगली पीढ़ी क जीएसटी सुधारन की ओरि से राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर जीएसटी शिकायत निवारण क सुविधा सुरू कइले हौ। मंत्रालय कहले हवे कि उपभोक्ता अब पोर्टल या टोल–फ्री नंबर एक नौ एक पांच के माध्यम से सत्रह भाषा में आपन सिकाइति दरज करा सकेलें।

****

सेवा और सुशासन, के मंत्र पर चलत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगुआई में सरकार परिवर्तन अउर प्रगति सुनिश्चित करे बदे खुबै कोसिस कै रहलि हौ। आज, येह विशेष श्रृंखला – 'सेवा पर्व' में, हम चर्चा करब कि कइसे मोदी सरकार यूपीआई क्रान्ति क अगुवाई कइलसि अउर डिजिटल भुगतान के सबके खातिर सहज, सुरक्षित अउर सुलभ बनवलसि।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में तकनीकी क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने वर्ष 2016 में शुरू किए यूपीआई के माध्यम से कई बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत कर देश की भुगतान व्यवस्था में क्रांति पैदा कर दी है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई की उपयोगिता के बारे में बात की थी।

साथियों यूपीआई का हमारा प्लेटफॉर्म आज दुनिया को अजूबा कर रहा है। हमारे में समर्थ है। रियल टाइम ट्रांजेक्शन में 50 प्रतिशत अकेला भारत यूपीआई माध्यम से कर रहा है।

वर्तमान में यूपीआई का दायरा व्यापक हो चुका है। अगस्त 2025 तक, यूपीआई से 20 अरब रुपये के लेनदेन हो चुके थे। मुकेश कुमार आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

पछिला सात सितंबर से सुरू भइल पितरपक्ष आजु संपन्न हो गइल। पितरपक्ष के आखिरी दिन प्रदेस क सज्जो जिलन में लोगी नदी अउर सरोवर में नहा के अपने पूर्वज लोगिन क तरपण कइलें। बनारस में पितर लोगिन क पिण्डदान करे बदे सबेरही से गंगा नदी के घाटन पर लोगिन क बहुते भीड़ रहलि। गोरखपुर क राप्ती नदी के तीरे पहुंचल लोगि नहइले के बादि तरपण कइलें अउर अपने पितरन के आत्मा क सान्ति बदे प्रार्थना कइलें।

****

शारदीय नवरात्र बिहने से सुरू हो रहल हौ। काल्हि सबेरे सरधालु अपने–अपने घरन में कलस स्थापित कई के नवरातर पूजा क सुरूआत करिहें। नवरातर के देखि के प्रदेस क सज्जों देवी मंदिरन अउर सक्तिपीठन में तइयारी पूरा कइल लिहल गइल हौ। नवरातर क पहिला दिने मॉ भगवती क पहिल स्वरूप माता शैलपुत्री क पूजा अरचना कइल जाई।

****